दिनांक 16 सितम्बर, 2017 को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के रजत जयंती वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल–सह–कुलाधिपति जी का अभिभाषण

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के **Silver Jubilee Year** के समापन समारोह में सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय से जुड़े सभी सदस्यों को इसके गौरवमयी यात्रा हेतु शुभकामनायें एवं बधाई देती हूँ।

किसी भी विश्वविद्यालय एवं संस्थान का रजत वर्ष समारोह उत्साह एवं उमंग का होने के साथ–साथ आत्म–अवलोकन, आत्म–निरीक्षण एवं आत्म–चिंतन का भी होता है कि हम स्थापना के उद्देश्यों को मूर्त्त रूप प्रदान करने की दिशा में कहाँ तक सफल हो पाये हैं? यदि किन्हीं क्षेत्रों में सफलता अर्जित नहीं कर पाये हैं, तो उसके क्या कारण हैं? उस पर अमल करते हुए प्रगति की दिशा में आगे बढ़ें। यह सम्पूर्ण शिक्षा जगत के लिए अत्यंत आवश्यक है।

भू–दान यज्ञ के प्रणेता संत विनोबा भावे के नाम पर वर्ष **1992** में स्थापित यह विश्वविद्यालय भौगोलिक दृष्टिकोण से राज्य का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इस परिप्रेक्ष्य में इस विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को हर हाल में **Quality Education** सुलभ कराने की दिशा में प्रतिबद्ध रहे। इससे न केवल अन्य विश्वविद्यालयों के लिए ये **Role Model** के रूप में जाना जायेगा, बल्कि अधिक–से–अधिक युवा भी उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित होंगे। इस दिशा में राज्य के विश्वविद्यालयों में **2nd shift** में भी पढ़ाई करने की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि हमारे इच्छुक युवा **Higher study** कर सकें।

Chancellor के रूप में मेरा शुरू से ही प्रयास रहा है कि Students-Teacher ratio बेहतर रहे। इसके लिए छात्रहित में मैंने सदा सरकार के विभिन्न विभागों से वार्त्ता की। फलस्वरूप आज Teachers का appointment हो रहा है। भले ही कतिपय कारणों से अस्थाई appointment किया जा रहा है, लेकिन छात्रहित में शीघ्र ही शिक्षकों की नियुक्ति आवश्यक थी। हम अपने Students के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते हैं। हमें उनका भविष्य निर्माण करना है। राष्ट्र की प्रगति हेतु उनका सही राह में जाना आवश्यक है। इसके लिए हमारे Teachers उनका सही मार्गदर्शन करें। आशा है कि शीघ्र ही शिक्षकों की स्थाई नियुक्ति हो जायेगी। कोई भी देश शिक्षकों के योगदान के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है। इसलिए हमारे Teachers अपने Students को सदैव quality education सुलभ कराने हेतु committed रहे। सिर्फ degree हासिल करने योग्य बना देना ही सफलता नहीं है। उसे इस योग्य बनायें कि Students अपने जीवन में अच्छा कर सकें तथा आपके साथ इस University का नाम भी रौशन कर सकें। हमारे युवा इतने दक्ष बने कि वे Job seeker से Job Creator बनने की ओर आगे बढ़ें।

Globalization का यह युग competitive है। इसमें सभी को Excellence प्राप्त करने की ओर सदैव तत्पर रहना होगा। Educational Institutions से इस दिशा में पूर्ण अपेक्षा है। इस हेतु सभी को एक Mission के रूप में कार्य करना होगा। वे चिंतन करें कि किस प्रकार Students को बेहतर-से-बेहतर शिक्षा प्रदान कर एक educated citizen

बनाया जा सके, ताकि राष्ट्रहित में अपना अधिक–से–अधिक योगदान दे सकें।

उच्च शिक्षा के विकास के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षण संस्थानों में सभी प्रकार की Infrastructure उपलब्ध हों। साथ ही Classes regular हों, Laboratory में आवश्यक उपकरण मौजूद हों, छात्रहित में Library विकसित हो। छात्र–छात्राओं को scholarship समय पर सुलभ हो। गुरू–शिष्य का संबंध अधिक–से–अधिक प्रगाढ़ हो, नैतिक मूल्यों का कतई पतन न हो। Teacher भी इतना बेहतर आचरण रखें कि वे students का विश्वास अर्जित कर सकें। विद्यार्थी उन्हें श्रद्धा की भाव से देखें। वे students के लिए Role Model बने।

हमारे students को किसी भी विषय में किसी प्रकार की झिझक हो तो बिना संकोच के अनुशासित होकर शिक्षक से पूछना चाहिये, क्योंकि अनुशासन और मर्यादा किसी भी व्यक्ति की उन्नति के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त Research के क्षेत्र में भी विकास के लिए व्यापक पहल की जरूरत है, इस क्षेत्र में Cut-Paste की system न रहें, विद्यार्थियों में Innovative ideas विकसित हों, इसके लिए हमारे Academician, Research worker को encourage करें, शोध में नये–नये विचार आने चाहिये। कहने का स्पष्ट अभिप्राय है कि सर्वत्र ज्ञान का वातावरण माहौल हो। इससे शिक्षा, जिसे तरक्की का द्वार कहते हैं, के माध्यम से राष्ट्र की तीव्र गति से प्रगति होगी।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!